

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 9, योना, भाग 2

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह योना पर सत्र 9 है, भाग 2।

एक और दिन, आपने हमें रात भर रोके रखा और हम आज आपके साथ चलने की उम्मीद करते हैं, अपने दिमाग को नए तरीकों से फैलाते हुए, अधिक आनंदित होना, अधिक संघर्ष करना, अधिक क्षमा करना, मानवता, दुनिया के बारे में अधिक जानना और हम उस एजेंडा आइटम में कैसे फिट होते हैं जिसे हम ईश्वर की योजना कहते हैं।

हम स्वीकार करते हैं कि हम सभी कभी-कभी योना की तरह महसूस करते हैं, और हम जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं। हम एक अलग दिशा में जाना चाहते हैं। हमें अपनी पीढ़ी के लिए ईश्वर के पुरुष और महिला बनने की हिम्मत और साहस दें।

हम जानते हैं कि यह कोई आसान काम नहीं है, लेकिन हम आपको धन्यवाद देते हैं कि एक व्यक्ति, साथ ही सर्वशक्तिमान, हमेशा बहुमत होता है। हमें यह एहसास दिलाने में मदद करें कि इस जीवन में जो उपलब्धियाँ होती हैं, वे आपकी वजह से होती हैं, हमारी वजह से नहीं और हमें आनंदित होना चाहिए। हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

मैं आज योना की कहानी पर कुछ टिप्पणियाँ करके शुरू करना चाहूँगा। मैं कुछ व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ, कुछ धार्मिक टिप्पणियाँ, कुछ ऐतिहासिक टिप्पणियाँ, कुछ भौगोलिक टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ।

मैं इस पुस्तक के प्रभाव के बारे में बात करना चाहता हूँ, जो वास्तव में लघु भविष्यवक्ताओं में से एकमात्र है जो किसी भी अर्थ में, गलील के इस छोटे से शहर के इस पात्र, योना के जीवन के विवरण के बारे में अधिक बताती है। मुझे संदेह है कि यह हमें यह भी बताती है कि शास्त्र में वे सभी पात्र जिनका परमेश्वर ने सबसे अधिक उपयोग किया, वे हमेशा 100% आज्ञाकारी नहीं थे। यह हमारी अवज्ञा को क्षमा करने के लिए नहीं है, बल्कि यह इंगित करने के लिए है कि परमेश्वर द्वारा आपका उपयोग करने के लिए आपको हर समय परिपूर्ण होने की आवश्यकता नहीं है।

आप नए नियम में पहली चार महिलाओं में से तीन को देखें। वे सभी पुराने नियम में संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली महिलाएँ थीं। हम मूसा को देखते हैं, जो सबसे महान पैगम्बर था, जिसने हत्या की, एक मिस्री को मारा, और उसे रेत में दबा दिया। हम डेविड जैसे अन्य पात्रों को देखते हैं, जिन्होंने व्यभिचार और हत्या का दोहरा पाप किया।

बाइबल में, हम दाऊद को दिए गए 73 भजनों को देखते हैं, जिनमें से कुछ आध्यात्मिकता के सबसे गहरे उदाहरण हैं। योना उन भविष्यवक्ताओं में से एक है जो परमेश्वर की आज्ञा मानने और परमेश्वर का अनुसरण करने के बीच संघर्ष करता रहा क्योंकि उसके पास कई व्यक्तिगत एजेंडे

थे जिन्हें उसे वास्तव में परमेश्वर के सामने प्रस्तुत करना था। और यह हमेशा आसान काम नहीं होता।

उदाहरण के लिए, योना एक कट्टर देशभक्त था, और वह किसी भी तरह से खुद को उस समय के प्राचीन निकट पूर्व के बुरे लोगों, नीनवे के लोगों के पास जाते हुए नहीं देख सकता था। और फिर भी, यह परमेश्वर की योजना थी। प्रत्येक अध्याय एक-शब्द में योना की कहानी के बारे में एक तरह से वर्णन देता है।

पहले अध्याय में, यह भागता हुआ पैगंबर है। दूसरे अध्याय में, यह एक पैगंबर है जो प्रार्थना करने वाला पैगंबर है। और वहाँ, ज़ाहिर है, हम सीधे-सादे आख्यान से कविता की ओर मुड़ते हैं।

यह एक ऐसी प्रार्थना है जिसे मछली में दफनाए जाने के बाद से ही फिर से बनाया जा रहा है। तीसरे अध्याय में, परमेश्वर उसे दूसरा मौका देता है। इसलिए, भागने वाले नबी और प्रार्थना करने वाले नबी के बजाय, अब वह आज्ञाकारिता के बिंदु पर पहुँच जाता है।

और इसलिए, हमारे पास एक आज्ञाकारी नबी है। लेकिन, भले ही वह आज्ञाकारी है, लेकिन आखिरी अध्याय में, वह एक नाराज़ नबी है, वह एक क्रोधित नबी है, आप जानते हैं, वह, अपने निजी मामले में, बहुत शिकायत करता है। वह मरना चाहता है।

और परमेश्वर उसके रवैये पर सवाल उठाने लगता है। इसलिए, हम देखते हैं कि बहुत से मनुष्य व्यक्तिगत संघर्षों में उतर आते हैं कि भविष्यवक्ता होने का क्या मतलब है। आरंभिक पद में, हमारे पास हेंडियाडिस का एक उदाहरण है, जिसे हम भविष्यवक्ताओं, हेंडियाडिस में कई बार देखेंगे।

हेन ग्रीक में एक शब्द का नपुंसक रूप है। डायो का अर्थ है द्वारा या के माध्यम से। और डिस, निश्चित रूप से, या डार्ड का अर्थ है दो, एक से दो।

और हेंडियाडिस एक विचार की अभिव्यक्ति है जिसमें दो शब्दों का उपयोग किया जाता है जो आम तौर पर एक से जुड़े होते हैं। अंग्रेजी में, हम एक शब्द का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन, पूरे नए नियम में, उस सेमिटिक शैली का उपयोग करते हुए, यह कहा गया है, यीशु ने उत्तर दिया और कहा।

अगर आप आज कोई पेपर लिख रहे हैं, तो आपको जवाब देने और कहने की ज़रूरत नहीं है। एक के लिए दो। हम इसे बहुत ही बढ़िया तरीके से एक शब्द में कम कर सकते हैं।

हेन्डियाडिस को दो शब्दों को लेना है। और आप इसे योना में कहाँ देखते हैं? ठीक है, तुरंत, उठो, निनवे जाओ। हम कहेंगे, निनवे जाओ, न कि उठो, जाओ।

यह एक ऐसी शैली है जिसे आप बाइबल में कई जगहों पर देखते हैं—साहित्यिक प्रकार। और हम इसे तुरंत ही समझ लेते हैं।

पुस्तक 1.1 में दिए गए शब्दों से शुरू होती है, प्रभु का वचन योना के पास आया। अब, इस्राएल के कुछ भविष्यवक्ताओं में, वचन बड़े, नाटकीय, जलती हुई झाड़ियों, बहुत शक्तिशाली दर्शन के रूप में आया। यह जकेल को देखें।

वह लंबे समय तक इस यूएफओ-प्रकार के रथ के उतरने से घबराया हुआ था। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण और जबरदस्त था। दूसरी ओर, जैसा कि मैंने कहा है, अन्य भविष्यवक्ता अक्सर चुपचाप कहते हैं, भगवान ने मुझसे बात की, या भगवान का वचन मेरे पास आया।

और यहाँ जो अभिव्यक्ति है, प्रभु का वचन, वह अक्सर भविष्यवक्ताओं में पाया जाता है। योएल इसी तरह से शुरू होता है। मीका 1:1 इसी तरह से शुरू होता है।

होशे की शुरुआत इसी तरह से होती है। अब, प्रभु का वचन आता है। प्रभु का वचन, हालाँकि आप उस अभिव्यक्ति से परिचित हैं, विशेष रूप से जॉन 1 में लॉगोस से। लॉगोस का अर्थ है शब्द।

अरामी में इसे मेमरा कहते हैं। एक और शब्द। हिब्रू में इसे दावर कहते हैं।

और शब्द दावर पुराने नियम में सैकड़ों बार आता है और इसका इस्तेमाल पवित्रशास्त्र से लेकर उस शब्द तक किया जा सकता है जो ईश्वर द्वारा पैगंबर को दिया जाने वाला रहस्योद्घाटन है। और अभिव्यक्ति, ईश्वर का वचन, पैगंबर के स्रोत को इंगित करता है। मैंने पहले भी कहा है और मैं इसे फिर से कहूंगा, पवित्रशास्त्र को पढ़ने की शुरुआत करने के दो तरीके हैं।

आप इसे पवित्रशास्त्र के रूप में, ईश्वर के वचन के रूप में पढ़ सकते हैं, और फिर इसकी साहित्यिक अभिव्यक्ति और शैली की जांच कर सकते हैं और देख सकते हैं कि इसे कैसे बनाया गया है। या आप पवित्रशास्त्र का अध्ययन इसे केवल एक साहित्यिक स्रोत के रूप में देखकर शुरू कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जब आप भविष्यवक्ताओं को देखते हैं, तो इसके लिए पूर्वधारणा की स्वीकृति की आवश्यकता होती है कि जहाँ तक भविष्यवक्ता का सवाल है, वह इसे इस तरह से बता रहा है।

इसमें कुछ अलौकिक बात है कि प्रभु का वचन उसके पास आया। फिर से, हमारे आरंभिक व्याख्यान पर वापस आते हुए, एक भविष्यवक्ता कौन है? ईश्वर का प्रवक्ता। और इसलिए किसी तरह यह निश्चितता थी, चाहे वह बड़ी और नाटकीय हो या फिर भविष्यवक्ता के अंदर की शांत निश्चितता कि वह ईश्वर का वचन बोल रहा था।

और वास्तव में, सेवा के लिए अपने पहले आदेश का विरोध करने और अध्याय 3 में दूसरा आदेश प्राप्त करने के बाद, आपको यह मानना होगा कि वह अपने से बड़ी किसी चीज़ के प्रति संवेदनशील था। इसमें कहा गया है कि यहोवा का वचन योना के पास आया और कहा, उठो, बड़े शहर निनवे जाओ, और उसके खिलाफ चिल्लाओ। या इसके खिलाफ प्रचार करो, जैसा कि 1-2 में NIV में कहा गया है।

यहाँ केरीग्मा की पूरी अवधारणा दी गई है, जो कि नए नियम का अध्ययन करने से आपके सबसे महत्वपूर्ण शब्दों में से एक है। केरीग्मा का अर्थ है घोषणा या उपदेश, जो कि ग्रीक क्रिया केरुसो से लिया गया है, जिसका अर्थ है घोषणा करना, उपदेश देना, घोषणा करना। नए नियम का केरीग्मा विशेष रूप से उस चीज़ में निहित है जिसे हम संक्षेप में सुसमाचार कह सकते हैं, कि कैसे मसीह की मृत्यु हुई, उसे दफनाया गया, और तीसरे दिन फिर से जी उठा।

यही केरीग्मा है, जिसकी घोषणा की गई थी, जिसकी घोषणा आरंभिक चर्च में की गई थी। यह एक घोषणा थी। इसलिए, घोषणा या उपदेश का यह विचार आपको नए नियम में नहीं मिलता।

संदेश की घोषणा का एक पुराना नियम प्रतिरूप है। और परमेश्वर के पास इस महान शहर निनवे के बारे में संदेश देने के लिए था। ठीक है, योना, 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व का पहला भाग।

मैंने कहा कि 700 ईसा पूर्व तक, निनवेह प्राचीन निकट पूर्व में उभरते सुपरस्टारों में से एक की राजधानी बन गया था। वह था सेनचेरिब। याद रखें, 700 तक, सेनचेरिब ने उस शहर को अपनी राजधानी बना लिया था, और यह 612 में अपने पतन तक असीरियन साम्राज्य की राजधानी बना रहा।

मैंने पिछली बार बताया था कि नहूम ने 612 में निनवे शहर के पतन का वर्णन किया है। इसमें कहा गया है कि इसकी दुष्टता बढ़ गई है। अब, यदि आप नहूम की पुस्तक पढ़ेंगे, तो आपको उन चीज़ों की एक अधिक विशिष्ट सूची मिलेगी, जिसने इस शहर को एक दुष्ट शहर होने की प्रतिष्ठा दी।

एक, दो। या, बाद में 310 में, यह निनवे के लोगों द्वारा अपने बुरे तरीकों से पश्चाताप करने के बारे में बात करता है। अब, योना इससे ज़्यादा विशिष्ट नहीं है।

इस शब्द राशा का अर्थ है नैतिक रूप से ढीला होना, दुष्ट होना और किसी भी चीज़ से मुक्त होना, जैसा कि यशायाह में इसका उपयोग किया गया है। इसलिए, हमेशा परिवर्तनशील स्थिति में, संभवतः नैतिकता और आचार-विचार के संदर्भ में। लेकिन जब आप नहूम की पुस्तक के अध्याय 2, 12 और 13 को देखते हैं, और अध्याय 3 में भी, आप पाएंगे कि उन अध्यायों में वेश्यावृत्ति, जादू-टोना, युद्ध में लूटपाट के लिए क्रूरता शामिल है।

यह मत भूलिए कि रोमियों ने, जैसा कि हेशेल आपकी पाठ्यपुस्तक में बताएंगे, विजित लोगों को सूली पर चढ़ाने, उनमें खूटे गाड़ने और उन्हें शहर की दीवार के बाहर प्रदर्शित करने का विचार अपनाया था, खास तौर पर शहर के नेताओं को। और इसलिए, रोमियों की सूली पर चढ़ाने की अवधारणा वास्तव में असीरियन से उधार ली गई है, जिनमें से कुछ, जिनके राजाओं ने दावा किया था कि वे अपने दुश्मनों के खून से पहाड़ों पर मर गए थे। निनवे को वाणिज्यिक अपव्यय के लिए भी उद्धृत किया जा सकता है, जैसा कि नहूम के अध्याय 3, श्लोक 16 से संकेत मिलता है।

लेकिन फिर से, हम भविष्यवक्ताओं के अपने अध्ययन में जल्दी ही सीखते हैं कि बाइबल में अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता जैसी कोई चीज़ है। ऐसा नहीं है कि परमेश्वर के वाचा के लोग नैतिक और नैतिक रूप से जवाबदेह हैं, लेकिन हम भविष्यवक्ताओं में जो संदेश पढ़ रहे हैं वह यह है कि

विदेशी राष्ट्रों के लिए संदेश हैं। और फिर से, यह बात हमें बहुत शक्तिशाली रूप से तब समझ में आएगी जब हम आमोस 1 और 2 में उन आठ राष्ट्रों की जाँच करेंगे, और क्यों उन्हें उनके अमानवीय और क्रूरता के कृत्यों के लिए दोषी ठहराया जा रहा है, खासकर।

मानवाधिकारों का उल्लंघन बहुत बड़ा है। इसलिए, अगर आप आज दुनिया में मानवाधिकारों का समर्थन करते हैं, और मुझे लगता है कि हर ईसाई को ऐसा करना चाहिए, और हमें क्रूरता और अमानवीयता के खिलाफ़ आवाज़ उठानी चाहिए। इन सबका एक बाइबिल आधार है।

सामाजिक न्याय ईसाई धर्म द्वारा आविष्कृत कोई चीज़ नहीं है, विधवाओं की देखभाल करना, यरूशलेम में गरीबों के लिए चंदा देना। नहीं, यह मूसा के कानून में पवित्रशास्त्र में सभी शिक्षाओं का आधार है। यहाँ आपको केवल यह मिल रहा है कि भविष्यद्वक्ता इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टोरा से पहले से ही क्या आधार निकल चुका है।

और इसीलिए, हालाँकि ईसाइयों को हमेशा मसीह-केंद्रित रहना चाहिए, लेकिन अगर हम टोरा-केंद्रित नहीं हैं, तो हम बाइबल को नया बनाने की कोशिश करेंगे। और बाइबल, कम से कम नए नियम में, नया नहीं है। यानी, इसे नए विचारों के साथ आना पड़ा। इसीलिए हम इसे नया नियम कहते हैं।

नहीं, जब तक कि नए नियम में हर विचार को मान्य, स्थापित नहीं किया जा सकता, नबियों और लेखों के कानून में पहले से ही उसका पूर्ववृत्त नहीं पाया जा सकता, तब तक यह नए नियम में नहीं आया, क्योंकि उनके पास केवल एक बाइबल थी। और वैसे, वे अपोक्रीफ़ा को उद्धृत नहीं कर रहे थे। हालाँकि कई अपोक्रीफ़ाल लेखन पहले से ही स्थापित थे, जैसे सिराच, या यीशु का ज्ञान, बेन सिराच, या एक्लेसियास्टिकस, जैसा कि हम इसे कहते हैं।

यह दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में लिखा गया था, मैकाबीज़ के विद्रोह से भी पहले। 168-165 ईसा पूर्व में। पहला और दूसरा मैकाबीज़, भी नए नियम से कई, कई, कई दशक पहले लिखा गया था।

वे धर्मग्रंथ आसपास थे, और वे उपलब्ध थे। वास्तव में, उनमें से कुछ कुमरान के पुस्तकालय में पाए गए थे, जब मृत सागर स्क्रॉल को खोला गया और छांटा गया। लेकिन उन्हें पुराने नियम के धर्मग्रंथों और भविष्यद्वक्ताओं की तरह अपील नहीं की जाती है।

योना तर्शीश की ओर जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। और अगर आप वहाँ गौर करेंगे, तो वह शब्द तर्शीश, तर्शीश, हिब्रू पाठ में तर्शीशाह लिखा है, जो शब्द का अंत है, जिसका अर्थ है किसी चीज़ की ओर दिशा में। संभवतः, यह दक्षिण-पश्चिम स्पेन में टारटेसस शहर है, जो जिब्राल्टर की चट्टान के करीब है, जो एक फोनीशियन खनन कॉलोनी थी।

इस खास समय में, फोनीशियनों ने समुद्र पर नियंत्रण कर लिया था। यहाँ तक कि सुलैमान के दिनों में भी, जो कई शताब्दियों पहले था, जब सुलैमान को अपने सभी व्यापार के लिए जहाजों के बेड़े की आवश्यकता थी, तो उसके जहाजों को तर्शीश के जहाज़ कहा जाता है, 1 राजा 10:22।

इसलिए, फोनीशियन भूमध्य सागर पर सवार थे। और आज यरूशलेम में बाइबिल चींटियों के संग्रहालय में आप जो विशेष चीजें देखते हैं, उनमें से एक बहुत ही अनोखी चीज़ है।

ये बंदर हैं। जब आप भूमध्य सागर में जाते थे तो बंदर हमेशा जहाज़ों पर सवार होते थे। और वे हमेशा मस्तूल पर चढ़ते थे क्योंकि बंदरों की नज़र सबसे अच्छी होती थी।

वे हमेशा ज़मीन को देखने वाले पहले व्यक्ति होते थे। बाइबल के समय में वे भूमध्य सागर में आपके रडार थे। और जब वे चहचहाने लगे, तो नीचे के नाविकों को पता चल गया कि उन्हें ज़मीन का पहला नज़ारा मिल गया है।

और इस जेरूसलम संग्रहालय में, हम इन बंदरों को देख सकते हैं। और यह एक बहुत ही दिलचस्प प्रदर्शन है, जब आप इन जहाज़ों में से एक पर भूमध्य सागर की सवारी कर रहे थे, तो बंदरों के महत्व को इंगित करते हुए। खैर, फोनीशियन जोप्पा से 2,000 मील पश्चिम में, स्पेन तक जा सकते थे।

और यह वहाँ एक खनन कॉलोनी थी। संभवतः, टार्टस यही है। लेकिन दूसरी ओर, उस शब्द को समझने का एक और विकल्प है, और वह है तर्शीश।

तर्शीशा का मतलब खुला समुद्र होता है। प्रोफेसर साइरस गॉर्डन ने अपने एक विद्वत्तापूर्ण लेख में बताया है कि जहाज़, जो आमतौर पर तर्शीश शब्द से जुड़े होते हैं, खुले समुद्र से जुड़े होते हैं। यानी, वे व्यापारिक जहाज़ होते हैं, बड़े व्यापारिक जहाज़।

और इसलिए तर्शीश खुले समुद्र का पर्याय बन सकता है। जब आप तर्शीश का जहाज़ कहते हैं, तो यह एक अंतरमहाद्वीपीय या वैश्विक मालवाहक जहाज़ कहने जैसा हो सकता है, उस तरह की अभिव्यक्ति। तब ज़रूरी नहीं कि इसका मतलब किसी स्थान से हो, बल्कि समुद्र में चलने की उसकी क्षमता से हो।

ग्रेजुएट स्कूल में मेरे एक सहपाठी ने पीएचडी करने के बाद कई साल भूमध्य सागर में डूबे हुए जहाज़ों की तलाश में पानी के नीचे बिताए। और खास तौर पर साल के इस समय, मार्च के महीने में दुनिया के उस हिस्से में जहाज़ों के डूबने की खबरें आती हैं, जहाँ सर्दियों के आखिर में बड़े तूफ़ान आते हैं। और आपको याद होगा कि प्रेरित पॉल का जहाज़ डूब गया था और वह किस द्वीप पर जा गिरा था? माल्टा।

अच्छा। माल्टा द्वीप के बारे में। और इसमें बताया गया है कि कैसे 250 से ज़्यादा कैदी जो रोम की ओर जा रहे थे, वे किनारे तक आने तक लकड़ी के टुकड़ों से चिपके रहे।

बाइबल में सेवक होने का क्या मतलब है, इस बारे में सबसे बढ़िया कथन प्रेरितों के काम की पुस्तक के आखिरी भाग में मिलता है। इसमें कहा गया है कि कैदी ठंड और भूख से तड़प रहे थे, इसलिए पौलुस ने आग के लिए लकड़ियाँ इकट्ठी कीं। यहाँ शक्तिशाली प्रेरित पौलुस कैदियों के साथ रोम की ओर जा रहा है।

वह कह सकता था, ठीक है, वहाँ नंबर 114, आग के लिए लकड़ियाँ इकट्ठा करो। पॉल उस जहाज़ के मलबे पर कैदियों के बीच भी एक नौकर बन जाता है। ठीक है, तो फोनीशियन ही इस जहाज़ को चलाने वाले सबसे ज़्यादा संभावित लोग थे।

और जैसा कि आप शायद जानते हैं, फोनीशियन ही वे लोग हैं जिन्होंने वर्णमाला का आविष्कार किया था। फोनीशियन माउंट कार्मेल के ठीक उत्तर में इस क्षेत्र से आए थे, टायर और सिडोन उनके दो सबसे महत्वपूर्ण शहर थे। और, बेशक, आज, यह लेबनान की भूमि है।

फोनीशियन लोग कनानी हैं, क्योंकि उन्हें इसलिए भी बुलाया जाता है क्योंकि कनानी लोग भूमध्य सागर के पूर्वी तट पर बसे हुए थे। उन्होंने व्यंजन पाठ, एलेफ़, बेट, गिमेल, दलेट का आविष्कार किया। और, क्योंकि वे सेमिटिक लोग थे, उन्होंने इसे इब्रानियों तक पहुँचाया।

तो भजन 119 में आपके पास एलेफ़, बेट, गिमेल, दलेट हैं। उन्होंने इसे यूनानियों को दिया, अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा। फिर यूनानियों ने इसे अंततः एट्रस्केन और रोमनों को दिया और अंततः हम तक पहुँचाया।

तो, फोनीशियनों ने कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिए। और हम स्थिति पर ईश्वर के नियंत्रण को समझना शुरू करते हैं। क्या आप ईश्वर की कृपा पर विश्वास करते हैं? आप ईश्वर की कृपा पर विश्वास नहीं करते क्योंकि बाइबल शब्दकोश आपको बताता है कि ईश्वर की कृपा नामक एक अवधारणा है।

हम शास्त्रों का अध्ययन इसलिए करते हैं क्योंकि हम यह देखना चाहते हैं कि परमेश्वर ने ऐतिहासिक रूप से समय के साथ कैसे काम किया है। हमारे पिता अब्राहम में मैं जिस मुख्य सिद्धांत पर बार-बार जोर देता हूँ, वह है दुनिया और जीवन के दृष्टिकोण को बनाने का मूल सिद्धांत, यानी कि सब कुछ धार्मिक है। पुराने नियम के दृष्टिकोण से, परमेश्वर जीवन के हर आयाम में अपनी उंगली रखता है।

वह हर चीज़ में शामिल है। वह लेखक, नियंत्रक, डिज़ाइनर, मार्गदर्शन करने वाला व्यक्ति है, वह व्यक्ति है जो इतिहास को आगे बढ़ा रहा है और अपनी उपस्थिति को पूरे इतिहास में दिखा रहा है क्योंकि वह इतिहास को कहीं ले जा रहा है। इसलिए, चूंकि इतिहास के बारे में ईसाई और यहूदी दृष्टिकोण यह नहीं है कि हम अपने पहिये घुमा रहे हैं, तो यह बात कहां खत्म होने जा रही है? क्या बुरे लोग जीतेंगे, या अच्छे लोग जीतेंगे? यह उस व्यक्ति के लिए कोई विकल्प भी नहीं है जो समझता है कि बाइबल इतिहास के बारे में क्या सिखाती है।

बाइबल सिखाती है कि हेशेल सही है जब वह कहता है कि परमेश्वर इतिहास और राष्ट्रों का मार्गदर्शन और निर्देशन करता है। और वह इसे एक रेखीय और एक स्थायी, प्रगतिशील तरीके से कर रहा है जब तक कि हम भविष्यवक्ताओं के दर्शन, इस धरती पर शांति, धार्मिकता और न्याय के युग की ओर नहीं बढ़ जाते। इसलिए, यह प्रकृति द्वारा अक्सर दर्शाए गए दोहराव वाले चक्र नहीं हैं।

और जबकि हेशेल इसे पहचानते हैं, हेशेल बहुत जल्दी यह बताते हैं, और फिर से सही ढंग से, कि पृथ्वी पर जो कुछ भी होता है वह ईश्वर की इच्छा नहीं है। दूसरे शब्दों में, मनुष्यों के सभी कार्य ईश्वर की इच्छा के समान नहीं हैं। और यद्यपि ईश्वर मानव स्वतंत्रता की अनुमति देता है, लेकिन पृथ्वी पर होने वाली हर चीज ईश्वर की इच्छा नहीं है।

हेशेल के शब्दों में, बाइबल के समय में या आज के समय में किया गया हर एक कार्य या तो दुनिया में परमेश्वर की इच्छा को बढ़ाता है या दुनिया में परमेश्वर की इच्छा को धीमा करता है और उसमें बाधा डालता है। और इसलिए, इसलिए, व्यक्ति और राष्ट्र ऐसे चुनाव कर सकते हैं जो दुनिया में परमेश्वर की योजना के अनुरूप हों ताकि इसे आगे बढ़ाया जा सके। या इसके विपरीत, मामला दूसरा है।

दूसरे शब्दों में, भगवान हस्तक्षेप नहीं करते और मनुष्य को कठपुतली नहीं बनाते और दुनिया की हर चीज में हेरफेर नहीं करते। इसलिए, बड़ी भव्य योजना भगवान द्वारा नियंत्रित होती है। रोड आइलैंड की राजधानी के रूप में प्रोविडेंस से हमारा यही मतलब है।

ईश्वरीय प्रोविडेंस। रोजर विलियम्स, अमेरिका के प्रथम बैपटिस्ट चर्च में याद किए जाते हैं। वे प्रोविडेंस शहर में पादरी थे।

यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण शिक्षा थी। परमेश्वर नियंत्रण कर रहा है, तो क्या हो रहा है? श्लोक 4, प्रभु ने एक बहुत बड़ी हवा भेजी। अब, आपके और मेरे पास यह विकल्प है कि हम इसे वैज्ञानिकों के रूप में, मौसम विज्ञानियों के रूप में परिभाषित करें, या इसे बाइबल के तरीके से देखें।

चूँकि ईश्वर सब कुछ नियंत्रित करता है, इसलिए ईश्वर हवा भेजता है। दूसरी ओर, आप यह समझ सकते हैं कि जैसे-जैसे एक निश्चित मोर्चा विकसित हो रहा है, भूमध्य सागर के पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ रहा है। और कुछ मौसम संबंधी कारक हैं जो वर्ष के इस समय, वर्ष के हवादार समय को लाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप यह जहाज लगभग टूट गया।

तो, प्रभु, यह बाइबिल के दृष्टिकोण से है। परमेश्वर संप्रभुतापूर्वक प्राकृतिक व्यवस्था को नियंत्रित करता है। और आप इस छोटी सी पुस्तक में फिर से उस मंत्र को सुनने जा रहे हैं।

117 में, प्रभु ने एक बड़ी मछली प्रदान की। वह प्रकृति को नियंत्रित करता है। 210 में, प्रभु ने मछली को आज्ञा दी, और उसने योना को उगल दिया।

परमेश्वर प्रकृति को नियंत्रित करता है। 467 और 8, तब परमेश्वर ने एक लता प्रदान की और उसे बढ़ाया। 47, परमेश्वर ने एक कीड़ा प्रदान किया जिसने लता को चबाया।

48, भगवान ने एक झुलसाने वाली पूर्वी हवा, एक हामसिन प्रदान की, जिसके बारे में हम बात करेंगे। फिर से, यहाँ सभी कथाओं के माध्यम से भगवान प्रकृति को नियंत्रित कर रहे हैं। मैं यह इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि फोनीशियन या कनानियों के बीच, याद रखें, प्रकृति और भगवान एक थे।

यह एक प्राकृतिक धर्म था। बाल एक मौसम देवता था। फोनीशियन तट पर बाल की बड़े पैमाने पर पूजा की जाती थी।

सोर के राजा की बेटी। और वह प्रकृति पूजा के लिए इस कट्टरता को उत्तरी राज्य में लेकर आई।

यह फोनीशिया से आया था। जब बाइबल ईश्वर को प्रकृति के बराबर नहीं मानती बल्कि कहती है कि ईश्वर प्रकृति से ऊपर है, तो वह प्रकृति का पर्याय नहीं है। यह एक बयान है। बाइबल सर्वेश्वरवाद, प्रकृति और ईश्वर एक होने का समर्थन नहीं करती है।

लेकिन निर्माता और प्राणी के बीच हमेशा एक अंतर होता है। इसलिए, आंशिक रूप से, मुझे लगता है कि धर्मशास्त्रीय रूप से, यहाँ पाठ के भीतर एक संदेश चल रहा है। भगवान इस महान हवा को भेजते हैं और फिर क्या होता है? सभी नाविक डर गए।

के लिए हिब्रू में एक दिलचस्प शब्द है। नाविक का शाब्दिक अर्थ नमकीन होता है। और नमकीन के लिए यह हिब्रू शब्द, नमकीन नाविकों को दर्शाता है जो डरते हैं, शायद इसलिए क्योंकि वे भूमध्य सागर में यात्रा करते थे और नमक के पानी से कई बार नहाते थे।

वे नमकीन हैं। तो, आपके पास बाइबल में मलाकियम , नमकीन समुद्र है, जिसे 420 में जेरोम ने मृत सागर कहा था और तब से हम इसे मृत सागर कहते हैं। लेकिन बाइबल इसे मलाकियम , नमकीन समुद्र कहती है।

नाविक तब अपने-अपने देवताओं और संभवतः उनमें से प्रत्येक को पुकारते हैं। यह एक बहुदेववादी प्राकृतिक दुनिया है, और जहाज़ पर सवार लोग बाल जैसे देवताओं की पूजा कर रहे थे, जो मौसम के देवता हैं, जो बारिश लाते हैं, भूमि को उपजाऊ बनाते हैं, और फसलें उगाते हैं। संकट की इस घड़ी में, नाविकों ने अनुमान लगाया कि जहाज़ पर शायद कोई दोषी व्यक्ति है क्योंकि अगर आपका ईश्वर आपसे नाराज़ है, तो शायद इसीलिए आपका इतना बुरा समय चल रहा है। अगर आपको आशीर्वाद मिल रहा है, आपके खलिहान अनाज से भरे हुए हैं; आपकी पत्नी गर्भवती हो रही है, और आपकी फसलों पर फफूंदी और सूखा नहीं पड़ रहा है क्योंकि आपके आस-पास की प्राकृतिक दुनिया के मामले में सब कुछ अच्छा चल रहा है, तो इसका मतलब है कि प्रकृति का ईश्वर आपसे प्रसन्न है।

फिर से, ध्यान रखें कि क्विड प्रो क्वो वह तरीका था जिससे आप प्राचीन दुनिया में धर्म के पास जाते थे। आप अपने ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए उनके पास उपहार लाते थे ताकि वे आप पर कृपा करें। इसीलिए मीका 6.8 एक चरमोत्कर्ष है।

हम इसे बाद में पाठ्यक्रम में देखेंगे। लेकिन यहाँ भी सुझाव दिया गया है: अगर मैं अपनी आत्मा के पाप के लिए अपने गर्भ का फल दे दूँ, तो क्या आप यही चाहते हैं, प्रभु? क्या इससे आप संतुष्ट होंगे? मानव बलि, मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। बेशक, मीका कहते हैं, नहीं, प्रभु जो चाहते हैं वह है मिशपत, हेसेड और ज़िनियोट ।

और हम न्याय, दृढ़ प्रेम, दयालुता के बारे में बात करेंगे जैसा कि कभी-कभी इसका अनुवाद किया जाता है, और ईश्वर के सामने विनम्रता के साथ चलना। वह अनुष्ठान नहीं चाहता क्योंकि यहोवा का प्रेम अनुष्ठान से नहीं खरीदा जा सकता। और यह एक ऐसा खतरा है जिसका ईसाई धर्म हमेशा सामना करता रहा है।

और बहुत से लोग कुछ के बदले कुछ पाने के चक्कर में फंस गए हैं। हे प्रभु, मैंने आज 30 डॉलर प्लेट में रखे हैं; इसलिए, आप मेरे निवेश के कारण मुझे वापस पाने के हकदार हैं। ये अच्छी चीजें हैं जो आज मेरे साथ होंगी।

परमेश्वर कोई ब्रह्मांडीय मशीन नहीं है जिसमें हम बहुत कुछ पाने के लिए बहुत कुछ चुकाते हैं। हम शुद्ध प्रेम से उसकी सेवा करते हैं। 1 शमूएल 12 आपको ईसाइयों के लिए उत्तर देता है।

शमूएल मरने वाला है। वह एक महान भविष्यद्वक्ता था। और वह कहता है, उसकी सेवा करो क्योंकि उसने तुम्हारे लिए जो महान कार्य किए हैं, उन पर विचार करो।

ईसाई धर्म में, हम उस मूल भाव को अपनाते हैं। हम उससे प्रेम करते हैं क्योंकि उसने पहले हमसे प्रेम किया, 1 यूहन्ना कहता है। लेकिन पुराने नियम में एक पूर्ववर्ती है, आप देखिए, भविष्यद्वक्ताओं से।

हम पाने के लिए नहीं देते। बहुत से ईसाई प्रेम के कारण ईसाई धर्म में आते हैं। हम पाने के लिए नहीं देते।

यह कनानी धर्म है। मुझे भगवान को खुश करना है। मुझे भगवान को खुश करना है।

वह नाराज़ हो सकता है। मुझे उसे अपनी पीठ से हटाना है, इसलिए मैं उसे पैसे देने या उसका सामान खरीदने के लिए अनुष्ठान करूँगा, उसके पक्ष में आऊँगा। और यह गलत सोच है।

इसलिए, संकट की इस घड़ी में नाविकों ने सोचा कि चूंकि समुद्र में उथल-पुथल मची हुई है, इसलिए किसी न किसी पर उंगली उठनी ही चाहिए। आप ही दोषी हैं। आपका भगवान आपसे नाराज़ होगा।

और अगर इस जहाज़ को बचाना है, तो हमें उस ईश्वर को खुश करना होगा। योना कहाँ है? श्लोक 6, समुद्र में। डेक के नीचे, बाहर निकाल दिया गया।

वास्तव में, अगर हम सेप्टुआजेंट को पढ़ें, जो इस विशेष स्थान पर थोड़ा विस्तृत है, तो यह कहता है कि यह योना की ज़ोरदार खर्राटों की आवाज़ थी जिसने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि वह डेक के नीचे था, गहरी नींद में, लगभग एक सम्मोहन नींद में, यहाँ इस्तेमाल किए गए शब्द का अर्थ। तो, आपका क्या मतलब है कि आप सो गए? उठो, अपने ईश्वर को पुकारो ताकि हम नाश न हों। इसलिए, यह कहता है कि उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं।

अब, बाइबल के समय में स्पष्ट रूप से चिट्ठी डालने का प्रचलन व्यापक रूप से था। मैं आज इसकी अनुशंसा नहीं करता। आपके पास ईसाई जीवन के लिए बेहतर जीपीएस हैं, जो पहली नज़र में मार्गदर्शन प्राप्त करने का एक बेतरतीब, बेतरतीब तरीका लग सकता है।

चिट्ठी डालना क्या होता था? जाहिर है, इसमें या तो छड़ें या कंकड़ शामिल होते थे, जिन पर निशान लगाए गए होते थे और उन्हें किसी तरह के पात्र से निकाला जाता था, जिसमें उन्हें डाला जाता था। बाद में ग्रीक दुनिया में इसका एक संस्करण हमारे शब्द ऑस्ट्रेसाइज़ की उत्पत्ति है, जहाँ आप ऑस्ट्राकॉन लेते हैं, जो मिट्टी के बर्तनों का एक टुकड़ा होता है, ऑस्ट्राका, बहुवचन, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, और एक समुदाय या गाँव के लोग राजनीतिक रूप से इस तरह से वोट डाल सकते थे। इसलिए, अपराधी की पहचान निर्धारित करने के लिए चिट्ठी डालना व्यापक रूप से प्रचलित था, न केवल इज़राइल में बल्कि पूरे प्राचीन निकट पूर्व में।

दरअसल, बाइबल कहती है कि इस्राएल के गोत्रों को वादा किए गए देश में उनके उचित क्षेत्र चिट्ठी डालकर मिले थे। यही बात गिनती की किताब में भी कही गई है। और अगर आपको लगता है कि यह पूरी तरह से पुराने नियम का चलन है, तो ऐसा बिलकुल नहीं है।

नए नियम में चिट्ठी डालने का नियम कहाँ से आया है? अच्छा, यीशु के लिए चिट्ठी डालने का एक स्थान निकट है। बहुत बढ़िया। यहूदा के प्रतिस्थापन और आरंभिक प्रेरितों ने यह निर्धारित करने के लिए चिट्ठी डाली कि बारह में से एक का प्रतिस्थापन कौन होने वाला था।

इसलिए, अभी भी यह विश्वास था कि भगवान ने इस प्रक्रिया को निर्देशित किया था जो हमें कुछ हद तक यादृच्छिक लग सकता है। लेकिन नीतिवचन 16.33 कहता है कि भगवान ने वास्तव में इस बात का मार्गदर्शन किया कि किस तरह से चिट्ठी गिरी। इसलिए, जैसा कि नीतिवचन 16.33 कहता है, निर्णय भगवान की ओर से था।

किसी भी मामले में, अब ईश्वरीय उंगली भविष्यवक्ता योना की ओर इशारा करती है, और तुरंत, श्लोक 8 से 10 में उन पर सवालों की बौछार हो जाती है। आप क्या करते हैं? आप कहाँ से आए हैं? आपका देश क्या है? यह लगभग वैसा ही है जैसे आप कनाडा में कस्टम से गुज़रते हैं। पहले तीन सवाल आम तौर पर।

तुम कहाँ से आए हो? तुम कहाँ जा रहे हो? और तुम अपने साथ क्या ले जा रहे हो? तो, यहाँ इस अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में, नाविकों के बीच हिब्रू भविष्यवक्ता नाम, पद और क्रमांक जानना चाहता है। इसलिए, वह इनसे मारा जाता है। और यहाँ हमारे पास पुस्तक में विश्वास के तीन स्वीकारोक्ति में से पहला है, जो दिलचस्प है।

योना कहते हैं, मैं एक हिब्रू हूँ, और मैं स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर की आराधना करता हूँ जिसने समुद्र और सूखी भूमि बनाई। उसने तीन मंजिला ब्रह्मांड बनाया। अब, आपकी ब्रह्माण्ड संबंधी समझ तीन मंजिला ब्रह्मांड है जो प्राचीन निकट पूर्व में व्यापक रूप से परिलक्षित होता है, न केवल पुराने नियम में बल्कि नए नियम में भी, जहाँ पॉल स्वर्ग की चीज़ों, पृथ्वी की चीज़ों, समुद्र के नीचे की चीज़ों के बारे में बात करता है।

इसलिए, वह कबूल करता है कि वह प्रभु की पूजा करता है, और वह इसे सृष्टि से जोड़ता है। यदि हमारे पास केवल नया नियम होता तो हम ईसाईयों के रूप में सृष्टि के धार्मिक सिद्धांत को विकसित करने में बहुत गरीब होते। न केवल उत्पत्ति के शुरुआती अध्याय, बल्कि यह उस व्यक्ति का एक कबूलनामा है जिसकी वह पूजा करता है जिसकी शक्ति उत्पत्ति 1.1 में व्यक्त की गई है। बाराशित बारा।

बाइबिल में पहले दो शब्द हिब्रू में B अक्षर से शुरू होते हैं। शुरुआत में, बारा ने एलोहिम, ईश्वर को बनाया। शुरुआत में, ईश्वर ने सृष्टि की।

ईश्वर के बारे में धर्मग्रंथ में पहला कथन सृष्टि और उसकी शक्ति से संबंधित है। बारा का अर्थ है किसी पूरी तरह से नई चीज़ को अस्तित्व में लाना: सृजनात्मक शक्ति। और यहाँ, योना का यह ईश्वर भूमध्य सागर का ईश्वर है।

वह धरती का भगवान होने के साथ-साथ स्वर्ग का भी भगवान है। मछली से बाहर आने पर वह जो दूसरा कबूलनामा करने जा रहा है, 2.9 में, वह कहता है कि उद्धार प्रभु से आता है। भगवान ने उसे बचाया।

विश्वास की उनकी तीसरी स्वीकारोक्ति 4.3 में है। जब भगवान एक शहर पर भाला फेंकते हैं, तो वे कहते हैं, मैं जानता हूँ कि आप एक दयालु और दयालु भगवान हैं, क्रोध में धीमे और प्रेम में भरपूर, एक भगवान जो पीछे हट जाता है या नरम पड़ जाता है। योना अनुभव से इस भगवान को जानता है। इस पाठ्यक्रम के उप-विषयों में से एक यह है कि धर्मशास्त्र स्थिर नहीं है, केवल कागज और स्याही पर लिखे गए पंथ कथनों में निहित है।

लेकिन धर्मशास्त्र जीवंत भी है। यह गतिशील है। यह व्यक्तिपरक है।

परमेश्वर जीवित है, और लोग दुनिया में उसके तरीकों का अनुभव करते हुए उसके बारे में सीख रहे हैं। पहला धर्मशास्त्र, निश्चित रूप से नए नियम का, अस्तित्ववादी है।

यह व्यक्तिगत है। मैं आपको एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बताना चाहता हूँ जिसने मेरी ज़िंदगी बदल दी। उसके बाद, चर्च ने इसे लिखा और इस पर विचार किया।

हम परमेश्वर को अलग-अलग तरीकों से अनुभव करते हैं। यहाँ योना परमेश्वर के छुड़ाने वाले हाथ का अनुभव कर रहा है। यीशु नाम इस दिलचस्प शब्द से आया है जिसका उपयोग योना 2.9 में करता है, येशुआ, मुक्ति या उद्धार।

इसलिए, श्लोक 9 में, योना ने अपना पहला स्वीकारोक्ति कथन दिया, मैं प्रभु की आराधना करता हूँ। यह संभवतः पुराने नियम के अर्थ के लिए समतुल्य है, मैं ईश्वर का भय मानने वाला हूँ। मैं ईश्वर की आराधना करता हूँ, जो सृष्टिकर्ता ईश्वर है।

सूक्ष्म खुदाई। बाल, क्षमा करें, शायद प्रकृति, ईश्वर। लेकिन मैं उस ईश्वर की पूजा करता हूँ जिसने इन सभी चीज़ों को बनाया है और जो इनसे ऊपर है और इनसे अलग है।

अब, वे उस पर दबाव डालना जारी रखते हैं। तुमने क्या किया है? वे जानते थे कि वह प्रभु से भाग रहा था क्योंकि उसने उन्हें बताया था। इसलिए, वह उन्हें निर्देश देता है कि उसे उठाकर समुद्र में फेंक दें क्योंकि मेरा अपराध है, मैं दोषी हूँ।

इसीलिए तूफान तुम्हारे ऊपर आया है। अब, पद 13 में, आपके पास एक बहुत ही स्पष्ट शब्द है। योना के दिनों में भूमध्य सागर में जहाजों को चलाने के दो तरीके थे।

एक तो पाल से चलता था। इन जहाजों में मस्तूल होते थे। दूसरा यह कि वे नाव चलाते थे।

अब, दूसरी विधि का वास्तव में यहाँ पद 13 में उल्लेख किया गया है। जबकि पाठ में कहा गया है कि पुरुषों ने वापस भूमि पर पहुँचने के लिए अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन नाव चलाने के लिए इब्रानी शब्द का अर्थ है खुदाई करना। शब्द का शाब्दिक अर्थ यही है।

इसलिए, उन्होंने अपनी पतवारें खोदीं। वैसे, यही क्रिया आमोस 9.2 में भी इस्तेमाल की गई है। इसलिए, उन्होंने अपने आस-पास के तूफान के बावजूद भी पतवारें खोदीं। उन्होंने वापस ज़मीन पर पहुँचने के लिए अपनी पूरी कोशिश की।

वे योना को पकड़कर पानी में फेंक देते हैं। समुद्र का उफान शांत हो गया और लोग यहोवा से बहुत डरने लगे।

आपने पुरानी कहावत सुनी होगी, और लोमड़ी के बिल में कोई नास्तिक नहीं होता। यह उसे पानी में फेंकने का संकेत था, और तुरंत, वहाँ एक शांति छा गई। वे शायद, कम से कम इस समय, इस्राएल के परमेश्वर से बहुत प्रभावित थे।

और शायद यहाँ एक स्वतःस्फूर्त घोषणा है कि इस स्थिति में, इस्राएल का परमेश्वर सच्चा परमेश्वर साबित हुआ। वह वही था जिसने तूफान को शांत किया। इस परमेश्वर को स्वीकार करने के परिणामस्वरूप इन लोगों के स्थायी धर्मांतरण के बारे में बात करना, यह क्या कहता है? उन्होंने योद-हेह-वव-हेह, इस्राएल के परमेश्वर और यहोवा को बलिदान भी चढ़ाया।

इसलिए, मुझे लगता है कि हम कम से कम इतना तो कह ही सकते हैं कि इस स्थिति में एक सहज स्वीकृति थी कि वह सच्चा परमेश्वर था। पुराने नियम की कहानी, देवताओं की लड़ाई को याद करें। और जब भी मैं पुराने नियम के बारे में पढ़ता हूँ, तो मुझे हमेशा इसके प्रमुख उप-विषयों में से एक के बारे में बात करनी होती है।

जो कुछ भी तुम्हारा परमेश्वर कर सकता है, मेरा परमेश्वर उससे बेहतर कर सकता है। और यहोवा मूर्तिपूजक देवताओं के बीच अपने लिए एक प्रतिष्ठा बना रहा था, कि वह जीवित है और वह बचाता है। जो परमेश्वर बचाता है, वही सच्चा परमेश्वर है।

और इसलिए, यहाँ एक उदाहरण है, यहोवा के स्तंभ में एक को रखें। सैनिकों या नाविकों को इस प्रकृति चमत्कार से प्रभावित होना था, जैसे कि यीशु इस धरती पर चले और प्रकृति के चमत्कारों

को इस बात की गवाही के रूप में प्रदर्शित किया कि वास्तव में ईश्वर वास्तव में उनके भीतर रहता था। अब यहाँ एक और चीज़ है बड़ी मछली।

मैं मछलियों की कहानियों के पक्ष में नहीं हूँ। और मुझे लगता है कि अगर हम इस तथ्य पर ध्यान नहीं देते हैं कि पुस्तक की कहानी वास्तव में एक महान ईश्वर के बारे में है, न कि एक महान मछली के बारे में, तो हम भटक जाएँगे। लेकिन मैं एक कहानी पढ़ना चाहता हूँ क्योंकि यह बहुत समय से मौजूद है और अक्सर पढ़ी जाती है।

यह प्रिंसटन थियोलॉजिकल रिव्यू में पाया गया है। और यह 1927 से पहले का है। और इसमें जेम्स बार्टले नामक एक व्यक्ति का मामला बताया गया है।

क्या कोई इंसान एक बड़ी मछली द्वारा निगल लिया गया और फिर भी वह अपनी कहानी सुनाने के लिए जीवित रह सकता है? प्रिंसटन थियोलॉजिकल रिव्यू यही कहता है। यह कहानी फरवरी 1891 की है। व्हेल जहाज स्टार ऑफ द ईस्ट फ़ॉकलैंड द्वीप के आसपास था।

और चौकीदार ने तीन मील दूर एक बड़ी शुक्राणु व्हेल को देखा। दो नावें उतारी गईं और कुछ ही समय में, एक हार्पूनर को मछली को भाले से मारने में सक्षम बनाया गया। दूसरी नाव ने व्हेल पर हमला किया, लेकिन वह अपनी पूंछ के झटके से घबरा गई।

और समुद्र में फेंके गए लोग, एक डूब गया और दूसरा, जेम्स बार्टले, गायब हो गया, उसे नहीं पाया जा सका। व्हेल को मार दिया गया, और कुछ ही घंटों में, उसका विशाल शरीर जहाज के किनारे पड़ा था। और चालक दल कुल्हाड़ी और कुदाल लेकर ब्लबर को हटाने में व्यस्त था।

वे पूरे दिन और रात के कुछ हिस्से में काम करते रहे। अगले दिन, उन्होंने पेट पर कुछ उपकरण लगाए, जिसे डेक पर लटका दिया गया। नाविक जीवन के ऐंठन भरे संकेतों से चौंक गए।

और अंदर लापता नाविक को पाया गया, जो बेहोशी की हालत में था। उसे डेक पर लिटाया गया और समुद्री पानी से नहलाया गया, जिससे वह जल्दी ही होश में आ गया। लेकिन उसका दिमाग ठीक नहीं था।

उसे कप्तान के क्वार्टर में रखा गया, जहाँ वह दो सप्ताह तक एक पागल की तरह रहा। कप्तान और जहाज के अधिकारियों ने उसके साथ दयालुता और सावधानी से व्यवहार किया और धीरे-धीरे उसे होश आ गया। तीसरे सप्ताह के अंत में, वह सदमे से पूरी तरह से उबर गया और अपने कर्तव्यों पर वापस लौट आया।

व्हेल के पेट में रहने के दौरान, गैस्ट्रिक जूस के संपर्क में आने से जेम्स बार्टले की त्वचा में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। उसका चेहरा, गर्दन और हाथ घातक सफेदी में बदल गए, जो चर्मपत्र की तरह दिखने लगा।

बार्टले ने पुष्टि की कि वह संभवतः अपने मांस के घर के अंदर तब तक रहता जब तक कि वह भूखा न मर जाए, क्योंकि वह हवा की कमी से नहीं बल्कि डर के कारण अपनी इंद्रियाँ खो बैठा था। दिलचस्प है। बहुत से लोग यह कहानी नहीं बताते।

वैसे, यह कई कहानियों में से एक है, लेकिन यह आपको 1927 के प्रिंसटन थियोलॉजिकल रिव्यू में मिलेगी। ठीक है। अगली बार मैं इस कुत्ते के बारे में बात करना चाहता हूँ, जो व्हेल नहीं है।

हिब्रू भाषा में व्हेल के लिए कोई शब्द नहीं है। यह सिर्फ एक डैग है गडोल, जिसका मतलब है एक बहुत बड़ी मछली। आज आप इज़राइल जाते हैं, मेनू में मछली शामिल करने के लिए, आप एक कुत्ते की मांग करते हैं।

तो कुत्ता मछली के लिए एक सामान्य शब्द है, और इसे यहाँ एक डग के रूप में वर्णित किया गया है गडोल, एक बड़ी मछली। कोई प्रजाति नहीं। डॉल्फिन, हैडॉक, व्हेल, जो भी हो।

जैसा कि बताया गया है, यह किसी समुद्री राक्षस की तरह है। ठीक है, आज के लिए बस इतना ही।

यह डॉ. मार्व विल्सन हैं जो भविष्यवक्ताओं पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह योना पर सत्र 9 है, भाग 2।